

फेनकमल पुं. (तत्.) हिमालय क्षेत्र में 15000 फुट अथवा उससे भी अधिक ऊँचाई पर पाया जाने वाला एक छोटा-सा, गोलाकार, श्वेतवर्ण का फूल, यह वर्षा के उपरांत बर्फ पिघलने पर उगता है, इसकी झाग के समान पतली परतें होती हैं, यह पत्रविहीन तथा गंधरहित पुष्प पृथ्वी से चिपका रहता है।

फेनना स.क्रि. (तद्.) तरल पदार्थ में झाग उत्पन्न करना।

फेनांशुक पुं. (तत्.) महीन श्वेत वस्त्र।

फेनुस पुं. (तद्.) गाय आदि पशुओं का प्रसव के पश्चात् का पहला दूध।

फेफड़ा पुं. (तद्.+देश.) वक्षस्थल के निम्न भाग में स्थित थैली के आकार का अवयव जिससे रीढ़वाले अधिकांश प्राणी श्वास लेते हैं।

फेफरी स्त्री. (देश.) अस्वस्थता, अधिक समय तक उपवास अथवा गर्मी के कारण होंठ पर जम जाने वाली चमड़ी, पपड़ी।

फेबियनवाद पुं. (अं.+तत्.) राज. 1. शत्रु को पराजित करने के लिए देरी करने वाली चालों के प्रयोग का समर्थन करने वाला सिद्धांत 2. समाजवाद के सिद्धांत को धीरे-धीरे अपनाने का पक्षपाती मत।

फेर पुं. (देश.) 1. चक्कर, घुमाव 2. घूमने अथवा घुमाने की क्रिया, दशा या भाव 3. उक्त क्रिया में किए गए घुमावों में प्रत्येक अथवा एक बार का घुमाव 4. बार-बार कहीं आना जाना, चक्कर लगाना **जैसे-** चापलूसी के लिए हर दिन फेरे लगाना 5. मोड़, झुकाव 6. परिवर्तन, उलट-पलट, रद्दोबदल 7. अंतर, भेद, फर्क 8. असमंजस, उलझन, दुविधा **प्रयो.** न जाने तुम किस फेर में पड़े हो 9. भ्रम, संशय, धोखा **उदा.** माला फेरत जुग गया, गया न मन का फेर 10. चालाकी, षड्यंत्र 11. उलझन, बखेड़ा, झंझट **प्रयो.** किस फेर में पड़े रहते हो 12. उपाय, युक्ति, ढंग 13. अदला-बदला, एवज 14. हानि, घाटा, टोटा 15. भूत-प्रेत का प्रभाव या **प्रयो.** लगता है रोग नहीं, फेर है 16. ओर, दिशा,

तरफ **उदा.** नगर रम्य चहुँ फेर **क्रि.वि.** (देश, फिर) पुनः फिर पुं. (तत्.) शृंगाल, गीदड़।

फेरना स.क्रि. (देश.) 1. घुमाना **जैसे-** माला फेरना 2. लौटाना, वापस करना **प्रयो.** उसने माल भेजा था, ठीक न होने के कारण हमने फेर दिया 4. वापस लेना **प्रयो.** फटा होने के कारण दुकानदार ने कपड़ा फेर लिया 5. बदलना, उलटना **प्रयो.** न जाने कब दिन फिरेंगे हे भगवान्! इसकी बुद्धि फेर दो 5. विपरीत दिशा में करना **प्रयो.** उसने तो हमसे मुख ही फेर लिया है 6. घोषित करना **प्रयो.** राज्य में दुहाई फेर दो 7. किसी दिशा में मोड़ना **प्रयो.** गाड़ी बाएँ फेरना 8. (घोड़ों को) चक्कर में चलाना 9. कंठस्थ करने के लिए बार-बार दोहराना **प्रयो.** अपना पाठ एक दो बार और फेर लो 10. न्यौछावर करना 11. ऐंठना, मरोड़ना 12. किसी वस्तु को रखकर इधर-उधर स्पर्श करना **प्रयो.** आरती की थाली फेर दो 13. पोतना, तह चढ़ाना **प्रयो.** एक फेर और कर दो।

फेरव पुं. (तत्.) 1. गीदड़, शृंगाल 2. भूत, प्रेत, पिशाच 3. राक्षस, असुर, बदमाश, गुंडा, धूर्त, दुष्ट।

फेरा पुं. (देश.) 1. वस्तु के चारों ओर घूमना, चक्कर **जैसे-** जाओ स्कूल के तीन फेरे लगाओ 2. वस्तु के चारों ओर घुमाने अथवा लपेटने की क्रिया अथवा भाव 3. उक्त घुमावों अथवा लपेटों में प्रत्येक बार का घुमाव अथवा लपेट 4. बार-बार आना जाना **प्रयो.** वह चापलूसी के लिए रोज फेरा लगाता है 5. यँ ही घूमते-फिरते पहुँच जाना **प्रयो.** इस गाँव में साधु बाबा का फेरा लगता रहता है 6. कुछ समय के लिए कहीं जाकर पुनः आना, पुनरागमन **प्रयो.** संसार का अर्थ है जन्म-मरण का फेरा 7. मंडल, घेरा, आवृत्ति 8. विवाह के समय अग्नि के चारों ओर वर-वधू द्वारा लगाए जाने वाला चक्कर, भँवर **प्रयो.** सात फेरों के पश्चात् लड़की पराई हो जाती है 9. मंदिर आदि पवित्र स्थान अथवा देवी-देवता आदि की परिक्रमा, प्रदक्षिणा।

फेरि क्रि.वि. (देश.) फेर कर, फिर, पुनः 'फेरना' क्रिया के विविध अर्थों में 'कर' लगाकर फेरि के